संख्या 190 /37/बजट/ 2020

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव (वित्त),
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. समस्त अपर मुख्य सचिव / समस्त प्रमुख सचिव/ समस्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त विभाग (बजट) देहरादून :: दिनांक 07 जनवरी, 2020

विषयः— वित्तीय वर्ष 2019–20 में मा0 वित्त मंत्री जी के बजट भाषण में की गयी घोषणाओं की अद्यतन स्थिति एवं वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु बजट भाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी में सामग्री के प्रेषण की समीक्षा हेतु मा0 मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में आहूत बैठक के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा पूर्व में प्रेषित पत्र संख्या 160/40/ बजट/ 2018, दिनांक 23 दिसम्बर, 2019 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त के सम्बन्ध में मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में **दिनांक 27 जनवरी, 2020 समय 11:00 AM बजे वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली सभा कक्ष, पंचम तल, विश्वकर्मा भवन में समीक्षा बैठक आहूत होगी।** मा0 वित्त मंत्री के वित्तीय वर्ष 2019–20 के बजट भाषण में घोषणाओं आदि से सम्बन्धित तालिका की प्रति संलग्न है/ सुलभ संदर्भार्थ http://budget.uk.gov.in/ से डाउन लोड भी की जा सकती है।

अनुरोध है कि उक्त के सम्बन्ध में **हिन्दी एवं अंग्रेजी** में सूचनाओं सहित निर्धारित तिथि को आहूत बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव, वित्त

संख्या 190 /37/बजट/ 2020, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. मुख्य निजी सचिव— मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव— मा0 वित्त मंत्री को महोदय के संज्ञानार्थ।
3. निजी सचिव— मुख्य सचिव को महोदय के संज्ञानार्थ।
4. निजी सचिव— अपर मुख्य सचिव को उक्त सभा कक्ष के आरक्षण के सम्बन्ध में।
5. व्यवस्थाधिकारी, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. प्रबन्धक, कैंटीन, गढ़वाल मण्डल विकास नि0लि0, सचिवालय।

(अमित सिंह नेगी)
सचिव, वित्त

मा0 वित्त मंत्री के वित्तीय वर्ष 2019–20 के बजट भाषण में घोषणाओं आदि का विवरण

क्र0 सं0	विभाग का नाम	योजना का नाम 2019–20	पृष्ठ सं0	वर्तमान प्रगति	अभियुक्ति
1	कृषि, औद्यानिकी एवं सहकारिता	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पीएम–किसान प्रारम्भ की गयी है, जिसमें लघु एवं सीमान्त भू–स्वामी किसानों को प्रतिवर्ष 6000 की दर से सहायता प्रदान की जायेगी।	3		
		दीन दयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत आय–व्ययक 2019–20 में इस योजना हेतु रू0 50.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	4		
		कृषि को बढ़ावा देने हेतु कृषि संबंधी क्रियाकलापों में कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों को रू0 5 लाख तक के ऋण को शून्य ब्याज दर पर उपलब्ध कराने का सरकार ने निर्णय लिया	4		
		चीनी मिल डोईवाला में नयी आसवानी लगाये जाने व बाजपुर में स्थापित आसवानी के आधुनिकीकरण किये जाने हेतु कार्यवाही गतिमान है।	4		
		राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत रू0 87.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	5		
		'संकल्प से सिद्धि' तथा 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने हेतु रू0 100.00 करोड़ का प्राविधान इस आय–व्ययक में किया गया है।	5		
		राष्ट्रीय उद्यान मिशन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 में रू0 51.00 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है।	6		
		वाह्य सहायतित 'बागवानी विकास परियोजना' के क्रियान्वयन हेतु रू0 700 करोड़ का प्राविधान किया गया था।	6		
		देश–विदेश में जैविक चाय की मांग के दृष्टिगत सरकार ने जैविक चाय की खेती को यथा सम्भव प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है, जिस हेतु राज्य में चाय विकास योजना अन्तर्गत रू0 17.00 करोड़ की धनराशि प्राविधानित है।	6		
	औद्योगिक विकास	औद्योगिक विकास अन्तर्गत दिसम्बर 2018 तक विनिर्माण क्षेत्र की 3117 करोड़ की परियोजनाओं सहित कुल 9010 करोड़ की 78 परियोजनाओं का कार्य आरम्भ हो गया है।	7		

2		देहरादून में Central Institute of Plastics and Engineering Technology (CIPET) के कौशल विकास केन्द्र का आरम्भ किया गया है। आगामी 3 वर्ष में प्रतिवर्ष इस सेन्टर से 3000 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए शत–प्रतिशत सेवायोजन, कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से किया जाना है।	8		
		एम0एस0एम0ई0 के विभिन्न सैक्टरों के लिए कुल **रू0 193.87 करोड़** की धनराशि का प्राविधान इस वित्तीय वर्ष में किया गया है।	9		
		राष्ट्रीय खनिज खोज न्यास (NMET) के कोष में वित्तीय वर्ष 2019–20 में खनन प्रशासन के 3000 क्षेत्रीय निरीक्षण के प्रकरण व खनिजों से रू0 750 करोड़ का राजस्व अर्जन का लक्ष्य प्रस्तावित है।	9		
3	**पशुपालन डेयरी विकास तथा मत्स्य**	**बद्री गाय के संरक्षण एवं संवर्धन की** मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुसार राजकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, नरियालगांव, चम्पावत में **'एलीट हर्ड'** की स्थापना।	9		
		उत्तराखण्ड पशु चिकित्सा परिषद परिसर में कौशल विकास की स्थापना हेतु रू0 428.51 लाख, प्रस्तावों पर सहमति	9		
		पशुलोक–ऋषिकेश में **'क्रॉसब्रीड हीफर रियरिंग फार्म'** की स्थापना किये जाने हेतु **रू0 1051.36 लाख** के प्रस्तावों पर सहमति प्राप्त हो चुकी है।	10		
		एफ0एम0डी0 मुक्त भारत के अभियान को सफल बनाने हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 में कुल रू0 5.80 करोड़ प्रस्तावित है।	10		
		महिला डेरी विकास योजना अन्तर्गत **रू0 6.13 करोड़** एवं **गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना** अन्तर्गत **रू0 5.00 करोड़** की धनराशि का प्राविधान प्रस्तावित है।	10		
		साईलेज एवं दुधारू पशु पोषण योजना हेतु रू0 3.00 करोड़ व पशुचारा परिवहन अनुदान योजना हेतु रू0 5.00 करोड़ प्रस्तावित है।	11		
		भारत सरकार के **मिशन ब्लू रिवोल्यूशन** एवं उत्तराखण्ड सरकार की संकल्पना के आधार पर वर्ष 2022 तक मत्स्य उत्पादन एवं मत्स्य पालकों की आय को दोगुना किया जाना लक्षित है।	11		

		राज्य में व्यवसायिक रूप से ट्राउट फार्मिंग को प्रोत्साहित किये जाने हेतु वर्तमान ट्राउट उत्पादन स्तर 50 मैट्रिक टन को 1000 मैट्रिक टन तक पहुँचाया जायेगा जिससे प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होगा।	11		
4	ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज	वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु मनरेगा अन्तर्गत रू0 282.00 करोड़ धनराशि का प्राविधान किया गया है।	12		
		(प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) योजनान्तर्गत 1735 आवास माह मार्च, 2019 तक निर्मित कराये जायेंगे।	12		
		प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना रू0 720.00 करोड़ व्यय कर 598 किमी0 लम्बे मार्गों पर निर्माण कार्य पूर्ण किया जायेगा।	12		
		दीन दयाल अन्तोदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों का गठन एवं पुनर्गठन किया गया।	12		
		वाह्य सहायतित योजना आईफैड के अन्तर्गत रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहित करने हेतु रू0 175.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	12		
		'राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान' योजनान्तर्गत रू0 30.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	13		
5	सिंचाई एवं पेयजल	सौंग नदी पर बाँध निर्माण एवं अवस्थापना कार्यों के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 में रू0 170.00 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है।	14		
		जमरानी बाँध बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण हेतु राज्य सरकार प्रयासरत है	14		
		नाबार्ड के अन्तर्गत रू0 180 करोड़ एवं राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम हेतु रू0 109.40 करोड़ का प्राविधान है।	15		
		स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत 'खुले में शौच की प्रथा से मुक्त' (ODF) घोषित करने हेतु आय–व्ययक में रू0 202.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	15		
		नमामि गंगे योजना के 19 परियोजनाओं हेतु रू0 945.21 करोड़ तथा विभिन्न स्थानों पर 21 स्नानघाट एवं 21 शमशानघाट के निर्माण हेतु रू0 171.45 करोड़ स्वीकृत किये गये हैं।	16		

		वर्ष 2022 तक 5000 समस्याग्रस्त प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित/संवर्द्धित करने के लक्ष्य का उल्लेख किया था। इस संबंध में रू0 250.00 करोड़ लागत की परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे केन्द्र पोषित योजना के रूप में स्वीकार करने हेतु शीघ्र भारत सरकार/नीति आयोग को भेजा जाना प्रस्तावित है।	16		
6	वन एवं पर्यावरण	वनाग्नि सुरक्षा एवं प्रबन्धन कार्य की दृष्टि वित्तीय वर्ष 2018–19 में एक नई योजना "सिविल/सोयम एवं पंचायती वनों की अग्नि से सुरक्षा" के अर्न्तगत वित्तीय वर्ष 2019–20 के आय–व्ययक में वनाग्नि से सुरक्षा हेतु कुल रू0 21.31 करोड़ का प्राविधान प्रस्तावित है।	17		
		वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु जायका परियोजना के अन्तर्गत रू0 100.00 करोड़ के बजट का प्राविधान किया गया है।	18		
7	समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास	राज्य सरकार "सबका–साथ सबका–विकास" वित्तीय वर्ष 2019–20 में अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति के छात्र छात्राओं, दिव्यांगों आदि को छात्रवृत्ति दिये जाने हेतु लगभग रू0 326.00 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है।	18		
		किशोरी बालिका योजनान्तर्गत रू0 15.00 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है।	18		
		"मुख्यमंत्री आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण एवं उच्चीकरण योजना" हेतु रू0 7.00 करोड़ का प्राविधान प्रस्तावित है।	18		
		"मुख्यमंत्री आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण एवं उच्चीकरण योजना" हेतु रू0 7.00 करोड़ का प्राविधान प्रस्तावित है।	18		
		मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना के अन्तर्गत अतिकुपोषित बच्चों को "ऊर्जा सामग्री" प्रदान किये जाने हेतु रू0 10.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है	18		
		'मुख्यमंत्री आँचल अमृत योजना' प्रारम्भ की जा रही है, इस आय–व्ययक में रू0 10.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	19		
		नंदा–गौरा योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 में रू0 75.00 करोड़ प्रस्तावित है।	19		

7	चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा	अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना हेतु रू0 150.00 करोड़ की धनराशि का प्राविधान है	19		
		चिकित्सालयों में रोगियों की जनशिकायतों की सतत निगरानी हेतु प्रमुख चिकित्सालयों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाते हुए सीएम डैश बोर्ड से ऑनलाईन जोड़ा गया हैं	20		
		राज्य में शिशु मृत्यु दर को वर्ष 2019–20 तक 36 प्रति हजार वर्ष 2023–24 तक 29 प्रति हजार एवं मातृ मृत्यु दर मे कमी लाने हेतु संस्थागत प्रसव दर को वर्ष 2019–20 तक 76 प्रतिशत तथा वर्ष 2023–24 तक 92 प्रतिशत एवं धात्री महिलाओं की सुरक्षा जाँच को प्रत्येक दशा में वर्ष 2023–24 तक 83 प्रतिशत एवं 2030 तक शत प्रतिशत रखने का लक्ष्य रखा गया है।	21		
		राज्य सरकार के दृष्टि पत्र–2019 के लक्ष्य के अनुसार अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के शैक्षणिक सत्र 2019–20 से प्रारम्भ करने हेतु सरकार प्रतिबद्ध है।	21		
		राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों की स्थापना के अन्तर्गत रू0 119.33 करोड़, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज हेतु रू0 76.85 करोड़, एवं दून मेडिकल कॉलेज हेतु रू0 85.65 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	21		
		भारत सरकार की फ्लेगशिप योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत रू0 440 करोड़ का प्राविधान है।	22		
	विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा	विभिन्न कक्षाओं के Learning Outcome को 62 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2023–24 तक 80 प्रतिशत किये जाने का लक्ष्य है।	22		
		शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने एवं आधारभूत संरचना के सृजन हेतु भारत सरकार 'समग्र शिक्षा' में रू0 1073.00 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है।	22		
		विद्यार्थियों को शिक्षा सामग्री एवं निःशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराने के दृष्टिगत इस आय–व्ययक में रू0 16.35 करोड़ की व्यवस्था की गयी है।	22		

	नाबार्ड योजनान्तर्गत विद्यालयों एवं छात्रावासों के निर्माण हेतु रू0 20.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	22		
	छात्रों को पका–पकाया भोजन उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद देहरादून हरिद्वार, उधमसिंह नगर तथा नैनीताल में अक्षय पात्र संस्था द्वारा केन्द्रीयकृत किचन प्रणाली के निर्माण की कार्यवाही गतिमान है।	23		
	प्राईमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता के राष्ट्रीय कार्यक्रम अन्तर्गत रू0 186.00 करोड़ की धनराशि का प्राविधान वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु किया गया है।	23		
	बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना हेतु रू0 16.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	23		
	सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के समस्त माध्यमिक विद्यालयों में यथासम्भव प्रयोगशाला, खेल मैदान एवं ऑडिटोरियम का निर्माण किया जायेगा।	23		
	एन0सी0सी0 अकादमी की सीपना की जानी है।	23		
	प्रदेश के युवाओं का कौशल विकास हेतु वर्ष 2022 तक समस्त स्वीकृत पॉलीटेक्निकों का निर्माण कर लिया जायेगा।	23		
	विश्व बैंक सहायतित तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम फेज–3 के अन्तर्गत सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाना है।	24		
	रूसा परियोजना के अन्तर्गत सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2022 तक राज्य के सभी महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण कर लिया जायेगा।	24		
	दून विश्वविद्यालय परिसर देहरादून में **डॉ0 नित्यानन्द स्वामी शोध संस्थान** की स्थापना की जायेगी जिस हेतु रू0 12.00 करोड़ का प्राविधान किया जाता है।	24		
	राज्य में विधि विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु रू0 5.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	24		
	विद्यालयी शिक्षा हेतु रू0 7642.63 करोड़ एवं उच्च शिक्षा विभाग हेतु रू0 548.37 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	25		
श्रम, कौशल विकास एवं सेवायोजन	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं राज्य कौशल विकास योजना के अन्तर्गत कुल रू0 67.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	25		

		नई योजना 'संकल्प' हेतु रू0 3.86 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	26		
9		उत्तराखण्ड कौशल विकास मिशन के माध्यम से NSQF मानकानुसार लघु प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पांच वर्षों में 32000 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।	26		
		"अन्तःशिक्षुता" नीति 2019 के तहत चयनित अन्तःशिक्षु को रू0 5000 प्रतिमाह एक टोकन वृत्तिका मासिक रूप से भुगतान किया जायेगा।	26		
	पर्यटन, कला एवं संस्कृति	"तेरह डिस्ट्रिक्ट तेरह न्यू डेस्टिनेशन" हेतु कन्सेप्ट प्लान, सर्वे/फिजिबिलिटी स्टडी का कार्य गतिमान है	27		
		थीम बेस्ड न्यू डेस्टिनेशंस में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु कार्यवाही की जायेगी।	27		
		पर्यटन सर्किट जानकीचट्टी – बड़कोट – हनुमानचट्टी–बर्नीघाट–नौगांव (उत्तरकाशी) आदि हेतु रू0 46.00 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गयी है।	27		
		स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं पर्यटन विकसित करने हेतु सरकार का 5 हजार होम स्टे का लक्ष्य है।	27		
10		दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम स्टे) विकास योजना के अन्तर्गत रू0 11.50 करोड़ तथा वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत रू0 15.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	27		
		देहरादून से मसूरी, कालाढुंगी/रानीबाग से नैनीताल तथा गौरीकुण्ड से केदारनाथ तक रोपवे निर्माण से सम्बन्धित कार्यवाही विभिन्न चरणों में गतिमान है।	27		
		'प्रसाद' योजनान्तर्गत गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के पर्यटन विकास हेतु कन्सेप्ट प्लान पर अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।	27		
		इन्वेस्टर समिट–2018 में पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में पूँजी निवेश हेत रू0 15388 करोड़ के 150 एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये गये हैं।	28		
		हिमालयन संस्कृति केन्द्र देहरादून का कार्य प्रगति पर इस हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए रू0 16.40 करोड़ प्रस्तावित है।	28		

11	परिवहन एवं नागरिक उड्डयन विभाग	सरकार ने 300 नई अत्याधुनिक बसें क्रय करने का निर्णय लिया है।	29		
		रूड़की–देवबन्द रेल लाइन के निर्माण हेतु इस आय–व्ययक में रू0 100.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	29		
		राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासियों की सुविधा एवं पर्यटन विस्तार की दृष्टि से शीघ्र ही हैली सर्विस प्रारम्भ की जायेगी।	30		
		टिहरी झील में सी–प्लेन उतारने की योजना तैयार हो चुकी है। शीघ्र ही उत्तराखण्ड देश में सी–प्लेन की सेवा देने वाला राज्य होगा।	30		
12	खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति	प्रदेश के समस्त खाद्यान्न गोदाम व जिला, सम्भागीय एवं राज्य स्तरीय कार्यालयों के साथ–साथ लगभग 9304 सस्ता गल्ला दुकानों को भी **सिस्टम इन्टीग्रेटर मॉडल** के अन्तर्गत ऑटोमेटे के लिए रू0 5.00 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है।	30		
13	ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा	इन्टीग्रेटेड पावर डेवलमेंट स्कीम (IPDS) के अन्तर्गत देहरादून में विद्युत लाईनों को भूमिगत किया जाना है।	31		
		प्रदेश में चीड़ की पत्तियों (पिरूल) से विद्युत उत्पादन हेतु नीति के अन्तर्गत आगामी वर्षों में 100 मेगावाट क्षमता की विद्युत उत्पादन इकाईयों एवं ब्रिकेटिंग इकाईयों की स्थापना की जायेगी।	32		
14	सड़क एवं सेतु	वित्तीय वर्ष 2019–20 में 852 कि0मी0 मार्गों का निर्माण, 1040 कि0मी0 मार्गों का पुनर्निर्माण/सुदृढ़ीकरण, 80 पुलों का निर्माण, 155 गाँवों को जोड़ा जाना, 1500 किमी0 लम्बाई में मार्गों का नवीनीकरण कार्य (वित्तीय वर्ष 2018–19 की तुलना में दोगुना) किये जाने का लक्ष्य है।	33		
		जनपद टिहरी में देश का सबसे लम्बा मोटर झूला पुल "डोबरा चांटी" ,हरिद्वार में डौसनी एवं चुड़ियाला नामक स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज को आगामी वित्तीय वर्ष 2019–20 में पूर्ण किया जाना लक्षित है।	32		
		पर्यटकों की सुविधा हेतु सड़क संचार व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए **200 पुल बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना तैयार की जा रही है।**	32		
		चारधाम परियोजना के अन्तर्गत रू0 4731.89 करोड़ की धनराशि के कार्य इस अवधि में स्वीकृत हुए है।	32		
		इसी प्रकार **'सेतु भारतम योजना' का कार्य प्रगति में हैं।**	32		

15	आवास एवं शहरी विकास	राज्य में प्रथम बार सभी जनपदों में भूमि उपयोग निर्धारण एवं नियोजित क्रमिक विकास हेतु जी0आई0एस0 आधारित महायोजना बनाये जाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। **इस क्रम में, सर्वप्रथम जी0आई0एस0 आधारित बेस मैप** बनाये जाने का कार्य गतिमान है।	34		
		प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत इस आय–व्ययक में रू0 91.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	34		
		अटल नवीनीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन **(अमृत)** के अन्तर्गत प्रदेश के 6 नगर निगमों तथा पर्यटन नगरी नैनीताल को सम्मिलित किया गया है। इस योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 के आय–व्ययक में **धनराशि रू0 100.00 करोड़ प्राविधानित** है।	34		
		सरकार शहरों आधारभूत संरचना विकास की दिशा में कार्यरत है। इस क्रम में ए0डी0बी0 के साथ Uttarakhand Urban Sector Development Programme एवं प्रारम्भिक कार्यों हेतु इस आय–व्ययक में रू0 47.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	35		
		देहरादून को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने हेतु इस आय–व्ययक में रू0 160.00 करोड प्रस्तावित है।	35		
		सरकार शहरी स्थानीय निकायों के विकास की दिशा में भी कार्यरत है। पार्किंग, स्ट्रीट लाईट आदि के स्थापना की दिशा में वित्तीय वर्ष 2019–20 के आय–व्ययक में इन संस्थाओं हेतु कुल रू0 770.39 करोड़ का बजट प्राविधान किया गया है।	35		
		वर्ष 2021 में होने वाले कुम्भ को अविस्मरणीय बनाने हेतु रू0 155.00 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है।	35		
		भारत सरकार की नयी मेट्रो नीति देहरादून–हरिद्वार–ऋषिकेश मेट्रोपोलिटन क्षेत्र हेतु वर्ष 2019–20 में मैट्रो ट्रेन के सर्वेक्षण/डी0पी0आर0 हेतु रू0 5.00 करोड़ की धनराशि प्राविधानित है।	35		
16	खेल एवं युवा कल्याण	**38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन हेतु केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न मदों में कुल रू0 72.10 करोड़ का प्राविधान का प्राविधान किया गया है।**	35		
		"खेल महाकुम्भ" के लिए धनराशि प्रस्तावित है।	36		

17	सूचना प्रौद्योगिकी	स्वान नेटवर्क में स्थापित समस्त पुराने उपकरणों को नई तकनीकी के माध्यम से अपग्रेड किये जाने हेतु रू0 25.00 करोड़ की धनराशि प्राविधान आय–व्ययक में किया गया है।	37		
		डाटा सेंटर में सभी विभागों के सर्वर/एप्लीकेशन स्थापित किये जाने प्रस्तावित है, जो क्षेत्रीय इकाईयों से स्वान नेटवर्क के माध्यम से जुड़े होंगे।	37		
		राज्य के समस्त जनपदो में तहसील एवं ब्लॉक स्तर तक वीडियों कान्फ्रेंसिंग के द्वितीय चरण में, शेष स्थलों में वीडियों कान्फ्रेंसिंग की सुविधा के लिये धनराशि का प्राविधान किया गया है।	37		
18	**कोषागार पेंशन एवं हकदारी, वित्त एवं वाणिज्य कर**	उत्तराखण्ड राज्य में वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली को सशक्त एवं सुदृढ़ एवं राज्य वित्तीय अनुशासन में वृद्धि किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु इस आय–व्ययक में रू0 60.00 करोड़ का प्राविधान किया गया है।	38		
		राज्य सरकार विकास कार्यक्रमों के प्रभावी अनुश्रवण हेतु **ई–गवर्नेंस के अतिरिक्त जी–गवर्नेंस** की ओर भी अग्रसर हैं।	38		
		जियो पोर्टल को नियोजन विभाग द्वारा संचालित किये जाने की व्यवस्था की गयी है,	38		
19	आपदा प्रबन्धन	आपदा के कारण होने वाली क्षति के नियमित परिवीक्षण के लिए वैब आधारित ऑनलाईन रिपोर्टिंग व्यवस्था **'सचेत'** का विकास किया गया है।	40		
		राज्य के महत्वपूर्ण भवनों की भूकम्प घातकता का आंकलन Rapid Visual Screening (RVS) विधि से किया जा रहा है,	40		